श्रीमद् भागवत कथा में भगवान कृष्ण की लीलाओं का 65 से अधिक कलाकारों ने किया मंचन

सत्संग से ही आता है मनुष्य के जीवन में दिव्य परिवर्तन : वंदना श्रीजी

चैतन्य लोक • इंदौर

chaitanyalok.page

जीवन में हर व्यक्ति सद्गुण प्राप्त करना चाहिए। कथा श्रवण करने से प्रत्येक मनुष्य के मनोरथ पूर्ण होते हैं। जहां भागवत विराजमान होती है वो वृंदावन धाम बन जाता है। भागवत मनुष्य का कल्याण करती हैं। जीवन में भौतिक प्रगति व आध्यात्मिक उन्नति भी होना चाहिए। काम क्रोध लोभ से मनुष्य ही बना है। व्यक्ति को अच्छा बनने के लिए मेहनत करना चाहिए। सत्कर्म के मार्ग पर ही चलें, जो कर्म परायण बनता है वो मोक्ष की प्राप्ति करता है। सत्संग से जीवन में दिव्य परिवर्तन आता है, जो व्यक्ति धर्म के पथ पर नहीं चलता है तब तक उसका कल्याण नहीं होता है इसलिए धर्म के मार्ग पर चलें। व्यक्ति के समय की सार्थकता तब है जब वो भगवान के चरणों में बैठता है। जिनके स्वभाव में धर्म विराजमान होता है यही जीवन की सार्थकता है। जो व्यक्ति भगवान कृष्ण की शरणागति में जाता है उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। संसार में मनुष्यों को अपने बच्चों को अच्छे संस्कार देना चाहिए संस्कारी बनना चाहिए। धर्म आचरण का पालन करना चाहिए। हर व्यक्ति को सद्गुण संपन्न होना चाहिए। यह बातें ब्रज रत्न वंदना श्रीजी ने रसोमा चौराहा स्थित आनंदम क्लब एंड रिसॉर्ट में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के पांचवें दिन कही। उन्होंने कहा कि जीवन में भगवान का स्मरण करके हर कार्य की शुरुआत करना चाहिए।

आयोजन प्रमुख गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में गोवर्धन पूजा उत्सव मनाया गया, भगवान कृष्ण बनकर बाल कलाकार ने मटकी फोड़ी। सैकड़ों महिलाएं भजनों में लीन हो गईं। सभी भक्तों ने कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। 65 से अधिक कलाकारों ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का मंचन किया। कथा में सैकड़ों भक्तों का जनसैलाब उमड़ रहा है। प्रतिदिन भक्तों को भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। चलित व्यवस्था के तहत सैकड़ों भक्त व्यवस्थित लाइन में लगकर महाप्रसादी ले रहे हैं। श्रवण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए। कथा में वंदना श्रीजी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारों ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन अर्चन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, गणेश गोयल, राज दीक्षित, संदीप जोशी, सुधीर कोल्हे, बालमुकुंद सोनी, कालू गगोरे ने किया।